ससून में नवजात अतिदक्षता वार्ड शुरू

59 बेड वाली अत्याधुनिक नियोनैटल फैसिलिटी उद्घाटित

संवाददाता

पुणे. देश में नवजात शिशुओं की मौत आम समस्या है. महाराष्ट्र भी इसमें पीछे नहीं है. पर मेडिकल सुविधाओं की वजह से इसमें कमी आई है. महाराष्ट्र ने बड़ी तेजी से इसमें सुधार किया है. पहले जहां इस राज्य में जन्में हजार बच्चों में से 22 बच्चे दम तोड़ दिया करते थे, वह गिरकर अब 7 हो चुकी है. इस सुधार के मामले में वह देश में पांचवा राज्य है. इसे ध्यान में रखते हुए पुणे के ससून अस्पताल में भी नवजात शिशु अतिदक्षता कक्ष शुरू किया गया. जहां नवजात शिशुओं का बेहतर से बहेतर इलाज हो सकेगा. इसकी क्षमता 59 बेड की है. इसका उद्घाटन जिले के पालकमंत्री गिरीश बापट ने किया. इसका निर्माण पीपीपी मॉडल की तर्ज पर किया गया. इसके निर्माण में फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज, सीएसआर साझीदार मुकुल माधव फाउंडेशन, दगडूशेठ हलवाई गणपति ट्रस्ट, बैंक ऑफ बड़ौदा, सिस्का लाइट ने अपना योगदान दिया है.

इस सुविधा के शुभारंभ पर गिरीश महाजन (मेडिकल शिक्षामंत्री), सांसद अनिल शिरोले, महापौर मुक्ता तिलक, श्रीमंत दगडूशेठ हलवाई गणपति ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोक गोडसे, मुकुल माधव फाउंडेशन की मैनेजिंग ट्रस्टी रितु छाबरिया, फिनोलेक्स इंडस्ट्री के चेअरमेन प्रकाश छाबरिया, हॉस्पिटल के डीन डॉ. अजय चंदनवाले उपस्थित थे.

ससून के 10,000 वर्गफीट क्षेत्र में एनआइसीयू का निर्माण किया गया है. फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज और मुकुल माधव फाउंडेशन (एमएमएफ) ने इस सुविधा को बेड, मॉनिटर एवं अन्य उपकरणों से सुसज्जित करने के अलावा निर्माण में भी आंशिक सहयोग प्रदान किया. नियोनैटल आईसीयू पूर्ण सुविधाओं से सुसज्जित लेवल-3 यूनिट है. इस यूनिट में टोटल पैरेंटेरल न्यूट्रिशन (टीपीएन), ह्यूमन मिल्क बैंक (एचएमबी), आरओपी स्क्रीनिंग एवं इलाज, बेडसाईड 2डी ईको/यूएसजी एवं हियरिंग सर्विसेस (ओएई मशीन) की सुविधाएं हैं.

अशोक गोडसे ने कहा कि "मंदिर में जो चढावा चढता है, उसके 75 फीसदी हिस्से को हमने समाज सेवा में खर्च करते हैं. इसके तहत हमने ससून हॉस्पिटल में अत्याधुनिक किचन का निर्माण किया है, जिसके द्वारा हम मरीज को प्रतिदिन दो बार खाना नि:शुल्क देते हैं. इसके अलावा हमने मरीज के रिश्तेदारों के लिए पांच गायने वार्ड तथा रेस्टरूम प्रदान किए हैं.पुणे शहर के लिए हॉस्पिटल को दो एम्बुलेंस भी प्रदान की हैं."उन्होंने इससे जुड़ने के लिए फिनोलेक्स इंडस्ट्री की तारीफ की. और इसे आगे भी जारी रखने की अपील की. डॉ. अजय चंदनवाले ने कहा, "हमारा लक्ष्य मध्यमवर्गीय समाज के लिए ससून जनरल हॉस्पिटल की सेवाएं मजबूत बनाना और उन्हें कॉर्पोरेट हॉस्पिटलों के समान सेवाएं उपलब्ध कराना है."

रितु छाबरिया ने कहा कि "यह केवल शुरुआत है. कल्याण और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है. दानदाताओं और उदार लोगों का हमारे इस महान अभियान में स्वागत है. मेडिकल समुदाय के लोगों का स्वागत है कि वो आएं और सभी को हेल्थकेयर उपलब्ध कराने की इस यात्रा में हमारे साथ जुड़ जाएं. प्रकाश छाबरिया ने कहा कि उनके पिता दगडुशेठ मंदिर के पीछे स्थित दुकान में नौकरी किया करते थे, इसलिए उन्हें खुशी हो रही है कि इस ट्रस्ट के साथ ऐसे काम करने में उन्हें खुशी हो रही है.